

**जामिया पीएचडी स्कॉलर डॉ. शबान अहमद को मिली डेनमार्क के कोपेनहेगन विश्वविद्यालय में
प्रतिष्ठित पोस्टडॉक्टरल फेलोशिप**

नई दिल्ली, 03 जून 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) गर्व से घोषणा करता है कि कंप्यूटर विज्ञान विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. खालिद रजा की देखरेख में पीएचडी स्नातक डॉ. शबान अहमद को डेनमार्क के कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य और चिकित्सा विज्ञान संकाय में पोस्टडॉक्टरल फेलो के रूप में चुना गया है। इस पद के लिए वार्षिक वेतन 5,93,000 डीकेके (≈ ₹ 77 लाख) है, जिसमें पूर्ण स्वास्थ्य सेवा और सम्मेलनों और सहयोगी अनुसंधान के लिए जेनेरस फंडिंग शामिल है। यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्लेसमेंट जेएमआई के बढ़ते ग्लोबल रिसर्च फुटप्रिंट का एक महत्वपूर्ण प्रमाण है। समानांतर रूप से, उन्हें फिनलैंड के जैवस्काइला विश्वविद्यालय में विजिटिंग पोस्टडॉक्टरल फेलो के रूप में भी चुना गया है और वर्तमान में उन्हें कई अंतरराष्ट्रीय प्रोफेशनल सोसाइटीज की सदस्यता प्राप्त हैं।

जामिया के कुलपति प्रोफेसर मज़हर आसिफ़ ने उन्हें बधाई देते हुए कहा, "डॉ. अहमद का यूरोप के सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से एक में चयन जेएमआई की विश्व स्तरीय शोध संस्कृति को दर्शाता है। हमें विश्वास है कि वह संस्थान का प्रतिनिधित्व विशिष्टता और विद्वतापूर्ण उत्कृष्टता के साथ करते रहेंगे।" जामिया के रजिस्ट्रार प्रोफेसर मोहम्मद महताब आलम रिज़वी ने भी डॉ. अहमद को बधाई दी और हाल ही में एमएमए जौहर हॉल ऑफ़ बॉयज हॉस्टल में एक सम्मान समारोह के दौरान उन्हें 'अचीवर ऑफ़ द ईयर अवार्ड' से सम्मानित किया।

अपने डॉक्टरेट अध्ययन के दौरान, डॉ. अहमद ने एआई-ड्राइवन ड्रग डिस्कवरी, बायोइन्फार्मेटिक्स और कम्प्यूटेशनल फार्माकोलॉजी में उल्लेखनीय योगदान दिया, जिसमें लंग कैंसर के उपचार में एक केंद्रित अनुप्रयोग शामिल है। उन्होंने लंग कैंसर में दवा के पुनः उपयोग के लिए गहन शिक्षण-आधारित रूपरेखा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसमें प्रतिरोध को दूर करने के लिए बहु-प्रोटीन लक्ष्यीकरण रणनीतियों पर एक नोवेल फोकस किया गया है - जो समकालीन ऑन्कोलॉजी अनुसंधान में एक महत्वपूर्ण चुनौती है। उनके शोध, जिसके कारण लंग कैंसर और अन्य महत्वपूर्ण प्रोटीनों के खिलाफ बहु-लक्षित अवरोधकों की पहचान हुई, कई उच्च-प्रभाव वाली पत्रिकाओं में प्रकाशित हुआ है। उनका अकादमिक पोर्टफोलियो एक स्वीकृत पेटेंट के साथ-साथ 40 से अधिक पीयर रिव्यूड शोध लेखों (Q1/Q2 पत्रिकाओं में बहुमत) द्वारा प्रतिष्ठित है।

कोपेनहेगन विश्वविद्यालय में, डॉ. अहमद पशुओं में वेक्टर-जनित वायरल संक्रमण को रोकने के लिए एआई-संचालित डेटा रणनीतियों पर काम करेंगे, जबकि प्राथमिकता वाले रोगजनकों के खिलाफ संरचना-सूचित दवा अनुकूलन में योगदान देंगे। उनका शोध यूरोपीय संघ के वन हेल्थ फ्रेमवर्क के साथ संरेखित है, जो डेटा-केंद्रित बायोमेडिकल नवाचार के माध्यम से मानव, पशु और पर्यावरणीय स्वास्थ्य को जोड़ता है।

डॉ. अहमद ने अपने पीएचडी निर्देशक डॉ. रजा और कंप्यूटर विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों के प्रति उनके निरंतर सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने जेएमआई में राष्ट्रीय शोध पहलों

और कम्प्यूटेशनल बुनियादी ढांचे की महत्वपूर्ण भूमिका को भी स्वीकार किया, जिसने उनकी शोध यात्रा और अंतरराष्ट्रीय पहचान को सक्षम बनाया। यह उपलब्धि विश्व स्तर पर सक्षम शोधकर्ताओं को तैयार करने के लिए जेएमआई की निरंतर प्रतिबद्धता का उदाहरण है और अत्याधुनिक, अंतःविषय अनुसंधान के लिए एक प्रमुख संस्थान के रूप में इसकी स्थिति को मजबूत करती है।

प्रो. साइमा सईद

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी

जामिया मिल्लिया इस्लामिया